

38

03105 A

First B.A.M.S. (Ayurvedacharya) (Old) Examination, Summer 2013
SHARIR RACHANA – I

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: 1) **All questions are compulsory.**

2) The number to the **right** indicates **full** marks.

3) **Draw** diagrams wherever **necessary**.

4) Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.

SECTION – B

2. कोणतेही ५ सोडवा :

Solve any five :

(5×3=15)

a) गर्भनाभिनाडी

Umbilical Cord

b) अस्थि प्रकार

Types of bones

c) अचल संधि

Immovable joints

d) सिरा व्याख्या

Definition of Sira

e) शुद्ध आर्तव

Shuddha Aartav

f) सप्तधातुक पुरुष

Saptadhatuk Purush.

P.T.O.

03105 A

3. कोणतेही ३ सोडवा :

Solve any three :

a) अपरा

Placenta

b) और्वी धमनी

Femoral Artery

c) कक्षाप्रान्तगत रसग्रंथि समूह

Group of Axillary Lymph Nodes

d) संधि वर्गीकरण.

Classification of joints.

SECTION – C

कोणतेही ३ सोडवा :

Solve any three :

4. गर्भाची मासानुमासिक वृद्धि लिहा.

गर्भ की मासानुमासिक वृद्धि लिखें ।

Write month wise Garbha Vruddhi.

5. उर: फलकाचे सचित्र सविस्तर वर्णन करा.

उर: फलक विस्तार से लिखें ।

Describe the Sternum in detail.

6. कूर्पर संधि लिहा.

कूर्पर संधि लिखें ।

Describe the Elbow joint in detail.

7. अधरा महासिरा लिहा.

अधरा महासिरा लिखें ।

Describe Inferior Vena Cava in detail.

03105 B

First B.A.M.S. (Ayurvedacharya) (Old) Examination, Summer 2013
SHARIR RACHANA – II

(3×5=15) Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C**Instructions: 1) All questions are compulsory.**2) The number to the **right** indicates **full** marks.3) **Draw** diagrams wherever **necessary**.4) Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.**SECTION – B**(3×15=45) 2. Answer **any five** out of six :

(5×3=15)

a) विटप मर्म

Vitap Marma

b) सुश्रुतानुसार अंतःवह स्रोतस नाव व संख्या

Name and number of Antahvaha Strotas according to Sushruta.

c) वाम व दक्षिण फुफ्फुस भेद

Differences between right and left Lungs.

d) यकृत बंध नावे

यकृत स्नायुओं के नाम

Enumerate the ligaments of Liver.

e) सप्तकला

Saptakala

f) वृषणकोष

Scrotum

P.T.O.

03105 B

3. Attempt **any three** questions out of four :

(3x=)

a) मस्तिष्क सेतु

Carpus Callosum

b) सुश्रुतानुसार मेदोवह व आर्तववह स्त्रोतानाचे मूल स्थान.

सुश्रुतानुसार मेदोवह व आर्तववहस्त्रोतस का मूल स्थान।

According to Sushruta mool sthana of Medovaha and Artavvaha Strotas.

c) सद्यप्राणहर मर्माची नावे.

सद्यप्राणहर मर्मों के नाम.

Enumerate Sadhyapranhar marma.

d) जिह्वे चे स्वादांकुर.

जिह्वा के स्वादांकुर.

Papillae of Tongue.

SECTION – C

Solve **any three** long questions out of four (Q.No. 4, 5, 6 and 7) :

4. इंद्रिय ची व्याख्या करुन त्वचेचे रचनात्मक वर्णन करा.

इंद्रिय की परीभाषा लिखकर त्वचा का रचनात्मक वर्णन करें।

Define Indriya and describe the Twacha anatomically.

5. गविनी सह मूत्राशय (बस्ति) चा वर्णन करा.

गविनी सह मूत्राशय (बस्ति) का वर्णन करें।

Describe Urinary bladder with Ureters.

6. कोष्ठांगांचे नावे लिहून आमाशयचा वर्णन करा.

कोष्ठांगों के नाम लिखकर आमाशय का वर्णन करें।

Enumerate the "Koshthagas" with the description of Stomach.

7. खालील मुद्दानुसार प्लीहा चा वर्णन करा :

स्पर्शज चिन्ह, स्नायु (बंध) व व्यवहार शारीर.

निम्नलिखित मुद्दों के आधार सहित प्लीहा का वर्णन करें।

स्पर्शज चिन्ह, स्नायु व व्यवहार शारीर.

Describe Spleen with under the following point :

Impression, Ligaments and applied anatomy.

03106 A

First B.A.M.S. (Ayurvedacharya) (Old) Examination, Summer 2013
SHARIR KRIYA – I

(3x5=15)

Duration: Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: 1) All questions are **compulsory**.2) The number to the **right** indicates **full** marks.3) **Draw** diagrams wherever **necessary**.4) Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.

SECTION – B

2. Answer the following (**any five** out of six)

(5x3=15)

a) हृदयांतर्गत कपाटिकाचे कार्य वर्णन करा.

3

हृदयांतर्गत कपाटिकाओं का (valves) कार्य लिखो ।

Explain the role of valves of heart.

b) विपाक वर्णन करा.

3

विपाक वर्णन करे ।

Explain Vipaka.

c) रक्तदाब वर्णन करा.

3

रक्तदाब का वर्णन करा ।

Explain Blood Pressure.

d) प्रकृतिनुसार अग्नि वर्णन करा.

3

प्रकृतिनुसार अग्नि का वर्णन करो ।

Explain Agni according to Prakruti.

P.T.O.

43

03106 A

-2-

e) Vit. A युक्त आहार द्रव्य व हीनताजन्य लक्षण लिहा.

Vit. A युक्त आहार द्रव्य एवं हीनताजन्य लक्षण लिखो ।

Write down food rich in Vit. A and write down Vit. A deficiency sign.

f) पित्त प्रकार व स्थान लिहा.

पित्त भेद व स्थान लिखो ।

Write types of pitta dosha and their sthana.

3. Answer the following (**any three** out of four) :

a) लघ्वांत्रातील पचन लिहा.

लघ्वांत्रागत पचनक्रिया का वर्णन करो ।

Write digestion in small intestine.

b) अग्नि चे प्रकार व दोष भेदानुसार अग्निचा वर्णन करा.

अग्नि के भेद लिखकर दोष भेदानुसार अग्नि का वर्णन करो ।

Explain types of agni and describe agni according to dosha-bhed.

c) यकृता चे कार्य लिहा.

यकृत के कार्य लिखो ।

Write the function of liver.

d) वातदोषाचे कर्म वर्णन करा.

वातदोष के कर्म का वर्णन करो ।

Karma (function) of vata dosha.

SECTION – C

Attempt **any three** Long Answer Questions.

4. “शरीर” शब्दा ची परिभाषा लिहुन षट्क्रिया काल चा चिकित्सीय महत्व लिहा.

“शरीर” शब्द की परिभाषा लिखकर षट्क्रिया काल का चिकित्सीय महत्व लिखो.

Define word sharir and write down importance of shat-kriya kala in treatment.

03106 A

44

-3-

जीवनीय तत्वाचा वर्गीकरण लिहून जीवनीय तत्व "बी कॉम्प्लेक्स" चे कार्य व हीनता मुळे शरीरात दिसणारे लक्षणाचे वर्णन करा.

15

जीवनीय तत्वांचे वर्गीकरण लिखून जीवनीयतत्व "बी कॉम्प्लेक्स" के कार्य हीनता के शरीर में दिखनेवाले लक्षणों का वर्णन करो ।

Write classification of vitamins and write down functions of B complex signs of deficiency.

15

अवस्थापाक वर्णन करून अग्नाशयाचे कार्य लिहा.

अवस्थापाक लिखकर अग्नाशय के कार्य लिखो ।

Explain Awastha Paka and functions of Pancreas.

15

धातुपोषण संबंधी त्रिविध न्याय सविस्तर वर्णन करा.

धातुपोषण संबंधी त्रिविध न्याय सविस्तर वर्णन करो ।

Explain three Dhatuposhana nyayas in detail.

44

2013

45

03111 A

First B.A.M.S. (Ayurvedacharya) (New) Examination, Summer 2013
SANSKRIT – I

Duration: Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: 1) *All questions are compulsory.*

2) *The number to the right indicates full marks.*

3) *Draw diagrams wherever necessary.*

4) *Do not write anything on the blank portion of the question paper. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.*

SECTION – B

केशामपि पञ्च प्रश्नानां उत्तराणि लिखत ।

(5x3=15)

कोई भी पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे ।

कोणत्याही पाच प्रश्नांची उत्तरे लिहा.

a) “एचोऽयवायावः” सूत्रस्य सोदाहरण व्याख्यां कुरुत ।

“एचोऽयवायावः” सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करें ।

“एचोऽयवायावः” सूत्राची सोदाहरण व्याख्या करा.

b) “स्तोः श्चुना श्चुः” सूत्रस्य सोदाहरण व्याख्यां कुरुत ।

3415- रामश + शोते

“स्तोः श्चुना श्चुः” सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करो ।

“स्तोः श्चुना श्चुः” सूत्राची सोदाहरण व्याख्या करा ।

c) “विसर्जनीयस्य सः” सूत्रस्य सोदाहरण व्याख्यां कुरुत ।

“विसर्जनीयस्य सः” सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करो ।

“विसर्जनीयस्य सः” सूत्राची सोदाहरण व्याख्या करा.

45

P.T.O.

46

03111 A

-2-



d) “माला” शब्दस्य रूपाणि लिखत ।

“माला” शब्द के रूप लिखो ।

“माला” शब्दाचे रूपे लिहा.

e) पठ्धातोः लृटलकारस्य (भविष्यकाल) रूपाणि लिखत ।

पठ्धातु के लृटलकार के (भविष्यकाल) रूप लिखें ।

पठ्धातु लृटलकाराचे (भविष्यकाल) रूपे लिहा.

f) अशुद्धि संशोध्य शुद्ध वाक्यानि पुनः लिखत ।

अशुद्धि संशोधन करके शुद्ध वाक्य पुनः लिखें ।

अशुद्धि संशोधन करून शुद्ध वाक्य पुन्हा लिहा.

1) सः चोरस्य बिभेति ।

2) बालकः गृहे गच्छति ।

3) ज्ञानस्य विना सुखं न भवति ।

3. प्रश्नत्रयं उत्तरयत ।

तीन प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

तीन प्रश्नांची उत्तर लिहा.

a) सुप्तिङन्तपदम्

b) कर्मकारक

c) चार्थे द्वन्द्वः

d) तृतीया उपपद विभक्तिः

(3x5=

47

03111 A

-3-

SECTION - C

प्रश्नानि उत्तरयतः ।

(3×15=45)

प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

प्रश्नों की उत्तरे लिहा.

न्यास्यप्रयत्नम् सवर्णम्" इति सूत्रं सविस्तरं स्पष्टयत ।

(1×15=15)

न्यास्यप्रयत्नम् सवर्णम्" इस सूत्र को विस्तारपूर्वक स्पष्ट करो ।

न्यास्यप्रयत्नम् सवर्णम्" सूत्र विस्तारपूर्वक स्पष्ट करा.

अङ्गपरः, इकोयणचि, झलांजशोन्ते, वृद्धिरेचि, ससजुषो रुः" इति सन्धिसूत्राणि सोदाहरणपूर्वकं स्पष्टयत ।

(1×15=15)

अङ्गपरः, इकोयणचि, झलांजशोन्ते, वृद्धिरेचि, ससजुषो रुः" यह सन्धिसूत्र उदाहरण के साथ स्पष्ट करें ।

अङ्गपरः, इकोयणचि, झलांजशोन्ते, वृद्धिरेचि, ससजुषो रुः" हे सन्धिसूत्र सोदाहरण स्पष्ट करा।

सुखसमासः ससूत्रं सोदाहरणं च वर्णयत ।

(1×15=15)

सुखसमास ससूत्र सोदाहरण के साथ वर्णन करो ।

सुखसमास ससूत्र सोदाहरणं वर्णन करा.

तृभाषायाम् अनुवादत ।

(1×15=15)

तृभाषा में अनुवाद करो ।

(3×5=15)

तृभाषेत अनुवाद करा.

देव मानवः सर्वत्र प्रतिष्ठां लभते । नृपतयोऽपि विदुषः पुरस्तात् नतशिरसो भवन्ति । विद्या मानवस्य दिक्षु किर्ती स्तारयति । विद्या मानवस्य सदाबन्धुवत् सहाय्यं करोति । विविधेन प्रकारेण सास्य उपकारं कुरुते । मातेव रक्षति, देव हितकार्ये नियोजयति । विद्याधनमेव जगति श्रेष्ठं धनम् ।

47

03112 A

First B.A.M.S. (Ayurvedacharya) (New) Examination, Summer 2013
PADARTHVIDNYAN – I

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C**Instructions: 1) All questions are compulsory.**2) The number to the **right** indicates **full** marks.3) **Draw** diagrams wherever **necessary**.4) Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.**SECTION – B**

2. चार ते पाच ओळीत उत्तरे लिहा (कोणतेही पाच) :

(5×3=15)

चार-पाँच पंक्तियों में उत्तर लिखें (किन्ही पाँच) :

Write answer in 4 to 5 lines (any five) :

a) अभाव प्रकार

अभाव प्रकार

Types of Abhava

b) समवायी कारण

समवायी कारण

Samavayi Karana

c) योगाचे आयुर्वेदीय महत्त्व

योग का आयुर्वेदोक्त महत्त्व

Uses of Yoga in Ayurveda

P.T.O.

53

03112 A

-2-



d) दिशाचे महत्त्व

दिशा का महत्त्व

Importance of Disha

e) कर्माचे प्रकार

कर्म के प्रकार

Types of Karma

f) मनाचे अन्नमयत्व.

मना का अन्नमयत्व।

Annamayatwa of mana.

3. थोडक्यात उत्तरे लिहा (कोणतेही तीन) :

संक्षेप में उत्तर लिखें (किन्ही तीन) :

Write answer in short (any three) :

a) सामान्य विशेष सिद्धान्त

सामान्य विशेष सिद्धान्त

Samanya Vishesha Siddhanta

b) द्रव्य व्याख्या, संख्या व प्रकार

द्रव्य व्याख्या, संख्या एवं प्रकार

Definition, Sankhya and types of Dravya

c) त्रिगुणांचा परस्पर संबंध

त्रिगुणों का परस्पर संबंध

Interrelation of Trigunas

d) कालाचे व्याख्या, प्रकार व आयुर्वेदीय महत्त्व.

काल की व्याख्या, प्रकार एवं आयुर्वेदोक्त महत्त्व।

Definition, types of Kala with its importance in Ayurveda.

49

(50)

513

-3-

03112 A

SECTION - C

लपैकी कोणत्याही तीन प्रश्नांची सविस्तर उत्तरे लिहा.

(3×15=45)

न में से किन्ही तीन प्रश्नों का सविस्तर उत्तर लिखिए।

Answer in detail **any three** of the following questions :

आत्मा व्याख्या, प्रकार, लक्षणे (चरकोक्त) लिहून आत्मगुण स्पष्ट करा.

आत्मा व्याख्या, प्रकार, लक्षण (चरकोक्त) लिखकर आत्मगुण स्पष्ट कीजिए।

Describe Vyakhya, Prakar, Lakshana (Charkokata) in detail and explain Atmaguna.

विविध दर्शनानुसार महाभूताची उत्पत्ती लिहून पृथ्वीमहाभूताचे वर्णन करा.

विविध दर्शन के अनुसार महाभूतों की उत्पत्ती लिखकर पृथ्वीमहाभूत का वर्णन कीजिए।

Write Utpatti of Mahabhutas as per vividha darshanas and describe in detail Prithvimahabhoot.

दर्शन व्याख्या, प्रकार लिहून न्याय वैशेषिक दर्शनाचा आयुर्वेदावरील प्रभाव उदाहरणासह स्पष्ट करा.

(3×15) दर्शन व्याख्या, प्रकार लिखकर न्याय वैशेषिक दर्शन का आयुर्वेद पर प्रभाव सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Write definition, types of Darshnas and explain with examples the impact of Nyaya Vaisheshik Darshana on Ayurveda.

गुणाची व्याख्या, विविध दर्शने व आयुर्वेदानुसार प्रकार लिहून चिकित्सोपयोगी (गुर्वादी) गुणांचे वर्णन करा.

गुण व्याख्या, विविध दर्शन एवं आयुर्वेद के अनुसार प्रकार लिखकर चिकित्सोपयोगी (गुर्वादी) गुणों का वर्णन कीजिए।

Define Guna. Write types of Guna as per different darshanas and ayurveda. Describe Chikitsopayogi (Gurvadi) Gunas in detail.

So

(51)

03121 A

First B.A.M.S. 2010 (Ayurvedacharya) Examination, Summer 2013
SANSKRIT – I

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C**Instructions: 1) All questions are compulsory.****2) The number to the right indicates full marks.****3) Draw diagrams wherever necessary.****4) Do not write anything on the blank portion of the question paper. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.****SECTION – B****2. Answer any ten questions :**

केषामपि दश प्रश्नानां उत्तराणि लिखत ।

कोई भी दस प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

कोणत्याही दहा प्रश्नांची उत्तरे लिहा.

A) उच्चारणस्थानानि लिखत ।

उच्चारण स्थान लिखें ।

उच्चारण स्थान लिहा.

B) आभ्यन्तरप्रयत्नम् लिखत ।

आभ्यन्तरप्रयत्न लिखें ।

आभ्यन्तरप्रयत्न लिहा.

(10×3=30)

51

P.T.O.

03121 A

-2-



C) “एचोऽयवायावः” सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्यां कुरु।

“एचोऽयवायावः” सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करें।

“एचोऽयवायावः” सूत्राची सोदाहरणं व्याख्या करा।

D) “स्तोः श्चुना श्चुः” सूत्रस्य सोदाहरणं व्याख्यां कुरु।

“स्तोः श्चुना श्चुः” सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करें।

“स्तोः श्चुना श्चुः” सूत्राची सोदाहरण व्याख्या करा।

E) “युष्मद्” शब्दस्य पूर्णरूपाणि लिखत।

“युष्मद्” शब्द के पूरे रूप लिखो।

“युष्मद्” शब्दाचे पूर्ण रूपे लिहा।

F) सप्तमी उपपद विभक्तिं लिखत।

सप्तमी उपपद विभक्ति लिखो।

सप्तमी उपपद विभक्ति लिहा।

G) “रामात्-द्” पदस्य ससूत्रं रूपसिद्धिं कुरु।

“रामात्-द्” पद की सूत्रों के साथ रूपसिद्धि करो।

“रामात्-द्” पदाचा ससूत्र रूपसिद्धि करा.

H) “चार्थे द्वन्द्वः” सूत्रं स्पष्टयत।

“चार्थे द्वन्द्वः” सूत्र को स्पष्ट करो।

“चार्थे द्वन्द्वः” सूत्र स्पष्ट करा.

I) “स्वतन्त्रः कर्ता” सूत्रं स्पष्टयत।

“स्वतन्त्रः कर्ता” सूत्र को स्पष्ट करो।

“स्वतन्त्रः कर्ता” सूत्र स्पष्ट करा.

J) आगम् धातोः लट् लकारस्य (वर्तमानकालिक)रूपाणि लिखत ।

आगम् धातु के लट् लकार (वर्तमानकालिक)रूप लिखो ।

आगम् धातुचाः लट् लकाराचे (वर्तमानकालिक)रूपे लिहा.

K) “उपसर्गाः क्रियायोगे” सूत्रं स्पष्टयत ।

“उपसर्गाः क्रियायोगे” सूत्र को स्पष्ट करो ।

“उपसर्गाः क्रियायोगे” सूत्रं स्पष्ट करा.

L) अशुद्धिं संशोध्य शुद्ध वाक्यानि लिखत ।

अशुद्धि संशोधन करके शुद्ध वाक्य लिखो ।

अशुद्धि संशोधन करून शुद्ध वाक्ये लिहा.

1) स : चोरेण बिभेति ।

2) देवः विद्यालये गच्छति ।

3) भवान् कुत्र गच्छसि ?

SECTION – C

3. Answer any three questions : (3×15=45)

केऽपि त्रयः प्रश्नाः समाधेयाः।

कोई तीन प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

कोणतेही तीन प्रश्नांचे उत्तरे लिहा.

a) यण् सन्धि, गुणसन्धि, वृद्धिसन्धि, दीर्घसन्धि, प्रकृतिभावसन्धि, इत्यादि सन्धि सूत्राणि सोदाहरणानि सविस्तरं स्पष्टयत।

यण् सन्धि, गुणसन्धि, वृद्धिसन्धि, दीर्घसन्धि, प्रकृतिभावसन्धि, इत्यादि सन्धि सूत्र उदाहरण के साथ विस्तारपूर्वक स्पष्ट करो ।

यण् सन्धि, गुणसन्धि, वृद्धिसन्धि, दीर्घसन्धि, प्रकृतिभावसन्धि, इत्यादि सन्धि सूत्र सोदाहरण सविस्तर स्पष्ट करा.

b) कम, क201

c) अद्युत्तम

d) अशुद्धि

55
03121 B

First B.A.M.S. 2010 (Ayurvedacharya) Examination, Summer 2013
SANSKRIT – II

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: 1) All questions are compulsory.

2) The number to the **right** indicates **full** marks.

3) **Draw** diagrams wherever **necessary**.

4) Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.

SECTION – B

2. संक्षेपेण उत्तराणि लिखत । (दश)

संक्षेप में उत्तर लिखें । (दस)

थोडक्यात उत्तरे लिहा. (दहा)

a) ग्राम्याहारात के के शारीर दोषाः जायन्ते ?

ग्राम्याहार से कौन कौन से शारीर दोष निर्माण होते हैं ?

ग्राम्याहारामुळे कोणकोणते शारीर दोष निर्माण होतात ?

b) शालाक्यतन्त्रस्य वर्णनं कुरुत ।

शालाक्यतन्त्र का वर्णन कीजिए ।

शालाक्यतन्त्राचे वर्णन करा.

c) हंसोदकं नाम किम् ? सश्लोकं वर्णयत ।

हंसोदक का मतलब श्लोक लिखकर वर्णन करें ।

हंसोदक म्हणजे काय ? श्लोक लिहून वर्णन करा.

(3×10=30)

55

P.T.O.

03121 B

अ) अथर्ववेद
ब) शाखा अथर्ववेद
क) ह्यो अथर्ववेद

-2-



d) कः स्वस्थ इति अभिधीयते ?

स्वस्थ व्यक्ति किसे कहते हैं ?

स्वस्थ पुरुष कोणाला महणतात ?

e) 'पञ्चविधंशौचं' सश्लोकं वर्णयत ।

'पञ्चविधंशौचं' श्लोक लिखकर वर्णन करें ।

'पञ्चविधंशौचं' श्लोक लिहून वर्णन करा.

f) 'आदर्श-राष्ट्रस्य वैदिकी कल्पना' वर्णयत ।

'आदर्शराष्ट्रस्य वैदिकी कल्पना' वर्णन करें ।

'आदर्शराष्ट्रस्य वैदिकी कल्पना' वर्णन करा.

अनुवादं कुरुत ।

अनुवाद करा.

अनुवाद कीजिए ।

g) हिताहितं सुखं दुःखमायुस्तस्य हिताहितम् ।

मानं च तच्च यत्रोक्तमायुर्वेदः स उच्यते ॥

h) नास्तिमेघसमं तोयं, नास्ति चात्मसमं बलम् ।

नास्ति चक्षुसमंतेजो, नास्तिधान्यसमं प्रियम् ॥

i) पृथिव्यां त्रीणि शतानि जलमन्नं सुभाषितम् ।

मूढैः पाषाणखण्डेषु रत्नसंज्ञा विधीयते ॥

j) कुपुत्रोऽपि भवेत् पुंसां हृदयानन्दकारकः ।

दुर्विनीतः कुरूपोऽपि मूर्खोऽपि व्यसनी खलः ॥

k) मेघेन सूपकाराणां कलहो मोऽत्र जायते ।

स भविष्यत्यसन्दिग्धं वानराणां क्षयावहः ॥

l) अपि कापुरुषो मार्गे न्हितीयः क्षेमकारकः ।

कर्कटेन द्वितीयेन जीवितं परिरक्षितम् ॥

(57)

03122 A
03121 B

-3-

SECTION - C

केषामपि त्रयाणां प्रश्नानां उत्तराणि लिखत ।

(3×15=45)

कोई भी तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

कोणत्याही तीन प्रश्नांची उत्तरे लिहा.

a) अध्यायस्य सारं वर्णयत ।

15

अध्याय का सारांश वर्णन करें ।

अध्यायाचा सारांश वर्णन करा.

‘स्नानविधि विज्ञानीयम्’

b) आद्यन्तश्लोकं विलिख्य ‘मत्स्य मण्डूक कथा’ मातृभाषायां लिखत ।

15

आद्यन्तश्लोक लिखकर ‘मत्स्य मण्डूक कथा’ मातृभाषा में लिखें ।

आद्यन्तश्लोक लिहून ‘मत्स्य मण्डूक कथा’ मातृभाषेमध्ये लिहा.

c) सविस्तरं लिखत ।

15

विस्तारपूर्वक लिखें ।

सविस्तर लिहा.

‘वातकलाकलीयोऽध्यायः’

d) सविस्तरं वर्णयत ।

15

विस्तारपूर्वक वर्णन करें ।

सविस्तर वर्णन करा.

‘अष्टाङ्ग आयुर्वेदः’



03122 A

First B.A.M.S. 2010 (Ayurvedacharya) Examination, Summer 2013
PADARTH VIGYAN – I

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C**Instructions:** 1) **All questions are compulsory.**2) The number to the **right** indicates **full marks.**3) **Draw diagrams wherever necessary.**4) Do not write anything on the **blank portion of the question paper.** If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.**SECTION – B**

(SAQ)

2. खालीलपैकी कोणत्याही १० प्रश्नांची उत्तरे चार ते पाच ओळीत लिहा.

(10×3=30)

निम्नलिखित कोई भी दस प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

Attempt **any ten** questions.

a) कणाद महर्षि.

कणाद महर्षि।

Kanad Maharshi.

b) पदार्थ लक्षण व षट्पदार्थ लिहा.

पदार्थ लक्षण एवं षट्पदार्थ लिखिए।

Write Padarth lakshan and Shatpadartha.

c) सेन्द्रिय-निरिन्द्रिय द्रव्ये.

सेन्द्रिय-निरिन्द्रिय द्रव्ये।

Sendriya-Nirindriya dravya.

d) आयुर्वेदोक्त महाभूतोत्पत्ति.

आयुर्वेदोक्त महाभूतोत्पत्ति।

Mahabhutotpatti according to Ayurveda.

P.T.O.

03122 A

-2-

59

e) दिशेचे आयुर्वेदीय महत्त्व लिहा.

दिशा का आयुर्वेदीय महत्त्व लिखिए।

Write Disha dravya's importance in Ayurveda.

f) चिकित्साधिकृत पुरुष.

चिकित्साधिकृत पुरुष।

Chikitsadhikrut Purush.

g) मनाचे विषय लिहा.

मन के विषय लिखिए।

Write about Vishay of Mana.

h) लोकायत दर्शन. (चार)

लोकायत दर्शन।

Lokayat Darshan.

i) त्रिगुण.

त्रिगुण।

Triguna.

j) 'सामान्य'चे प्रकार लिहा.

'सामान्य' के प्रकार लिखिए।

Write the types of 'Samanya'.

k) परगुण-अपर गुण यातील फरक स्पष्ट करा.

परगुण-अपर गुण इनमें अंतर स्पष्ट कीजिए।

Write the difference between Par-guna and Apar-guna.

l) अभावाचे प्रकार लिहा.

अभाव के प्रकार लिखिए।

Write the types of Abhav.

Q2a कवायत म
b पदार्थ (रस)
च=पदार्थ
c संक्षिप्त
d आयुर्वेद
महाभूत

60

S 13

-3-

03122 A

SECTION - C

(LAQ)

3. खालील प्रश्नांची सविस्तर उत्तरे लिहा (कोणतेही तीन).

(3×15=45)

निम्नलिखित प्रश्नों के सविस्तर उत्तर लिखे (कोई भी तीन)।

Attempt any three long answer questions.

a) चरकोक्त गुणांचे सविस्तर वर्णन करा.

चरकोक्त गुणों का विस्तार पूर्वक वर्णन करे।

Explain in detail about Charakokta Guna.

b) पृथ्वी व जल महाभूतांची विविध मतानुसार उत्पत्ती लिहून त्यांचे आयुर्वेदीय महत्त्व सविस्तर लिहा.

पृथ्वी एवं जल महाभूतकी विविध मतों के अनुसार उत्पत्ती लिखकर उनका आयुर्वेदीय महत्त्व विस्तारपूर्वक लिखे।

Write utpatti of Prithvi and Jala Mahabhut according to different opinion and explain their importance in Ayurveda.

c) 'कर्म'चे लक्षण, प्रकार लिहून आयुर्वेदात कर्माची उपयोगिता स्पष्ट करा.

कर्म के लक्षण, प्रकार लिखकर आयुर्वेद में कर्म की उपयोगिता स्पष्ट करे।

Explain lakshan and types of Karma and its application in Ayurveda.

d) आयुर्वेदावर विविध दर्शनांचा प्रभाव वर्णन करा.

आयुर्वेदपर भिन्न-भिन्न दर्शनोंका प्रभाव वर्णन करे।

Describe the effects of different Darshans on Ayurveda.

a) उपमान प्रमाण लक्षण

उपमान प्रमाण लक्षण

Lakshana of upmaan pramaan

60

b) व्यञ्जना

व्यञ्जना

Vyanjana

c) विवर्तवाद

विवर्तवाद

Vivartavaad

03122 B

First B.A.M.S. 2010 (Ayurvedacharya) Examination, Summer 2013
PADARTH VIGYAN – II

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C**Instructions: 1) All questions are compulsory.****2) The number to the right indicates full marks.****3) Draw diagrams wherever necessary.****4) Do not write anything on the blank portion of the question paper. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.****SECTION – B****2. चार ते पाँच ओलीत उत्तरे लिहा (कोणतेही १०) :****(10×3=30)****चार से पांच पक्तियों में उत्तर लिखें (कोई भी १०) :****Write answer in 4 to 5 lines (any 10) :****a) उपमान प्रमाण लक्षण**

उपमान प्रमाण लक्षण

Lakshana of upmaan pramaan.

b) व्यञ्जना

व्यञ्जना

Vyanjana.

c) विवर्तवाद

विवर्तवाद

Vivartavaad.

03122 B

-2-



d) प्रमाण लक्षण

प्रमाण लक्षण

Lakshana of pramaan.

e) परामर्श

परामर्श

Paramarsha.

f) आप्त व्युत्पत्ति

आप्त व्युत्पत्ति

Aapta vyutpatti (etimology).

g) युक्ति प्रमाण लक्षण

युक्ति प्रमाण लक्षण

Lakshana of yukti pramaan.

h) तर्क लक्षण आणि महत्व

तर्क लक्षण एवं महत्व

Lakshana of tark and importance.

i) अहंकार

अहंकार

Ahankaar.

j) सम्भव प्रमाण

सम्भव प्रमाण

Sambhava pramaan.

k) क्षण भगुरवाद

क्षण भगुरवाद

Kshana Bhangurvaad.

l) परमाणु वाद

परमाणु वाद

Paramanu vaad.

Q2
a उपमान ५ (68)
b व्यंजना
c विवर्तवा ३

62

(63)

03122 B

513

-3-

SECTION - C

सविस्तर स्पष्ट करा (कोणतेही तीन चार पैकी) :

(3×15=45)

सविस्तर स्पष्ट करें (चार में से कोई भी ३) :

Write in detail (any three out of four) :

a) युक्ति प्रमाणाचे सविस्तर वर्णन करून त्याचे महत्व सुद्धा लिहा.

युक्ति प्रमाण का सविस्तर वर्णन करके उसका महत्व भी लिखें।

After describing the yukti pramaan in detail also write its importance.

b) आप्तोपदेशाची व्युत्पत्ति व लक्षण लिहून शक्ति ग्रहाचे वर्णन करा.

आप्तोपदेश की व्युत्पत्ति व लक्षण लिखंकार शक्ति ग्रही का वर्णन करें।

After writing the Yutpatti and Lakshana of Aaptopadesh also describe the shaktigrahas.

c) प्रत्यक्षाचे लक्षण, इन्द्रिय पंचं पचंक आणि त्याचे बाधक भावांचे वर्णन करा.

प्रत्यक्षाचे लक्षण, इन्द्रिय पंचं पचंक और उसके बाधक भावों का वर्णन करें।

Write the definition, Indriya pancha-panchaka and Badhak Bhavas of pratyaksha.

d) सुश्रुतोक्त सृष्टि उत्पत्ति क्रमाचा वर्णन करा.

सुश्रुतोक्त सृष्टि उत्पत्ति क्रम का वर्णन करें।

Describe sushrutokta srushti utpatti krama.

Answer the following (any ten)

(10×3=30)

a) अथर्ववेदातील चिकित्सा प्रकार.

63

अथर्ववेद के चिकित्सा प्रकार.

Types of chikitsa in Atharvaveda.

b) नालंदा विद्यापीठ.

नालंदा विद्यापीठ.

Nalanda vidyapeeth.

c) मधुकोश टीका.

मधुकोश टीका.

Madhukoshi Tika.

64

03123

First B.A.M.S. (2010) (Ayurvedacharya) Examination, Summer 2013
AYURVED KA ITIHAS

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: 1) All questions are **compulsory**.

2) The number to the **right** indicates **full** marks.

3) **Draw** diagrams wherever **necessary**.

4) Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.

SECTION – B
(SAQ)

2. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा (कोणतेही दहा) :

निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए (कोई भी दस) :

Answer the following (any ten)

(10×3=30)

a) अथर्ववेदातील चिकित्सा प्रकार.

अथर्ववेद के चिकित्सा प्रकार.

Types of chikitsa in Atharvaveda.

b) नालंदा विद्यापीठ

नालंदा विद्यापीठ

Nalanda vidyapeeth.

c) मधुकोष टीका

मधुकोष टीका

Madhukosh Tika

64

P.T.O.

(65)

03123

-2-

d) अशोकाचे शिलालेख

अशोक के शिलालेख

Sheelalekha of Ashoka.

e) बॉवर मॅन्युस्क्रिप्ट

बॉवर मॅन्युस्क्रिप्ट

Bavar's manuscript.

f) डॉ. घाणेकर

डॉ. घाणेकर

Dr. Ghanekar.

g) भेलसंहितेची वैशिष्ट्ये

भेलसंहिता के वैशिष्ट्य

Speciality of Bhelsamhita

h) बसवराजीयम्

बसवराजीयम्

Basavarajiyam.

i) पैपीरस

पैपीरस

Paipirus.

j) सुश्रुतार्थसंदीपन टीका

सुश्रुतार्थसंदीपन टीका

Sushrutarthsandeepan Tika.

k) जतुकर्ण

जतुकर्ण

Jatukarna

l) युनिसेफ

युनिसेफ

UNICEF.

Any 10

Q 2 a अ. वे. चि. प्र

b नाचंदा विद्या

c मधुकोष विद्या

65

03123

-3-

SECTION - C
(LAQ)

3. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा (कोणतेही तीन) :

निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए (कोई भी तीन) :

Answer the following (any three)

(3×15=45)

a) चरकसंहितेची रचना लिहून सुश्रुतसंहितेची वैशिष्ट्य टीका, व टीकाकार लिहा.

चरकसंहिता की रचना लिखकर सुश्रुतसंहिता की वैशिष्ट्य, टीका और टीकाकार लिखें ।

Describe structure of Charak Samhita, speciality of Sushrut Samhita and commentary and commentator of Sushrut Samhita.

b) 'आयुर्वेदाच्या सार्वभौमत्वाविषयी' सविस्तर लिहा.

'आयुर्वेद का सार्वभौमत्व' विषय सविस्तर लिखिए ।

Write the 'Sarvabhaumatva' of Ayurveda in detail.

c) वेदकालीन आयुर्वेदाचे सविस्तर वर्णन करा.

वेदकाल के आयुर्वेद का सविस्तर वर्णन कीजिए ।

Describe in detail of Vedkalin Ayurveda.

d) आयुर्वेदाच्या विकासासाठी नेमलेल्या विविध कमिटीचांचे वर्णन करा.

आयुर्वेद के विकास के लिए बनायी गयी कमिटीयों का विस्तार से वर्णन कीजिए ।

Describe various Committees for progress of Ayurveda.

66

67
03126 A

First B.A.M.S. 2010 (Ayurvedacharya) Examination, Summer 2013
KRIYA SHARIR – I

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: 1) **All** questions are **compulsory**.

2) The number to the **right** indicates **full** marks.

3) **Draw** diagrams wherever **necessary**.

4) Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.

SECTION – B

2. Answer **any ten** out of **twelve** questions given bellow. **Each** question is of **three** marks.
(10×3=30)

a) पंचमहाभूतांची अन्योन्यानुप्रविष्ट पद्धतीचे वर्णन करा.

पंचमहाभूतों की अन्योन्यानुप्रविष्ट पद्धती का वर्णन कीजिए ।

Describe the method as Anyonyanupravista by Panchamahabhuta.

b) स्त्रोतस व्याख्या स्पष्ट करा.

स्त्रोतस व्याख्या स्पष्ट करें ।

Explain the definition of strotasa.

c) चतुर्विंशति पुरुषाच्या तत्वांची फक्त नावे लिहा.

पुरुष के चौबीस तत्वों को लिखिए ।

Write the twenty four principles regarding Purusha.

d) 'वात' शब्दाची निरुक्ती लिहा.

वात शब्द की निरुक्ती लिखिए ।

Write etymology of a word 'Vata'.

P.T.O.

03126 A

-2-



e) शारंगधर संहिताच्या आधारे श्वासोच्छ्वास प्रक्रियेचे वर्णन करा.

शारंगधर संहिता के आधार पर श्वास प्रश्वास प्रक्रिया वर्णन कीजिए ।

Describe respiration as per Sharangdhar Sanhita.

f) संधिगत कफ दोषाचे कार्य स्पष्ट करा.

संधियों में स्थित कफ दोष के कर्मों को स्पष्ट कीजिए ।

Explain the functions of Kapha dosha laying in Joints.

g) आहारगत बीस गुण लिहा.

आहारांतर्गत बीस गुणों को लिखें ।

Write twenty properties reside in diet-in Ayurveda.

h) पित्त प्रकृतिचे अनुक लिहा.

पित्त प्रकृति के अनुकों को लिखिए ।

Write the 'Anuka' of pitta prakruti.

i) आयुर्वेदीय क्रियाशारीरास उपयुक्त मूलभूत सिद्धान्तांची फक्त नांवे लिहा.

आयुर्वेदीय क्रिया-शारीर को उपयुक्त मूलभूत सिद्धान्तों के सिर्फ नामोल्लेख कीजिए ।

Write down only names of the fundamental principles regarding Ayurved Kriya Sharir.

j) मानव शरीराचे अन्तर्गत संपन्न होणाऱ्या परिसरीय संतुलनाच्या प्रक्रियेची व्याख्या लिहा.

मानव शरीर के अंतर्गत संपन्न होने वाली परिसरीय संतुलन प्रक्रिया की परिभाषा लिखिए ।

Define mechanisms of homeostasis.

k) कृत्रिम श्वसनाची आवश्यकता कां ? ते लिहा.

कृत्रिम श्वसन की आवश्यकता क्यों ? लिखिए ।

Write down the needs of Artificial Respiration.

l) अग्नि व कोष्ठाचा सह-संबंध स्पष्ट करा.

अग्नि एवं कोष्ठ के सहसंबंधों को स्पष्ट करें ।

Explain Co-relation between Agni & Koshtha.

क) पंचमहाभूत
ख) स्त्रोत
ग) चतुर्विंशति
द) वात

Answer

a) दोष

दोष

Des

b) मानस

मानस

Wri

c) हृदय

हृदय

Exp

d) महास

महास

Des

First B.A.M.S. 2010 (Ayurvedacharya) Examination, Summer 2013

SECTION - C

Answer **any three** out of four questions given below. **Each** question is of **15** marks.

(3×15=45)

a) दोषगतींचे सविस्तर वर्णन करा.

दोषगतियों को वर्णन कीजिए ।

Describe Dosha Gati.

b) मानस प्रकृतिंचे वर्गीकरण करून लक्षणें लिहा.

मानस प्रकृतियों का वर्गीकरण करके लक्षणों को लिखे ।

Write types of manasa prakruti with symptomatic classification.

c) हृदय द्वारा रस रक्त संवहनात व्याना वायुचे कार्य स्पष्ट करा.

हृदय द्वारा रसरक्त संवहन में व्यानादि वायु के कार्यों को स्पष्ट कीजिए ।

Explain the functions of Vyan-vayu and other vayu in cardiac circulation.

d) महास्रोतसातील क्रियांचे थोडक्यांत वर्णन करा.

महास्रोतसीय क्रियाओं को संक्षेपतः वर्णन कीजिए ।

Describe Mahastrotas Kriya.



03126 B

First B.A.M.S. 2010 (Ayurvedacharya) Examination, Summer 2013
KRIYA SHARIR – II

Total Duration: Section A + B + C = 3 Hours

Section B & C Marks: 75

SECTION – B & SECTION – C

Instructions: 1) All questions are compulsory.2) The number to the **right** indicates **full** marks.3) **Draw** diagrams wherever **necessary**.4) Do not write anything on the **blank portion of the question paper**. If written anything, such type of act will be considered as an attempt to resort to unfair means.SECTION – B
(SAQ)

30

2. Attempt **any ten** out of twelve.

(10×3=30)

१२ पैकी कोणतेही दहा प्रश्न सोडावे.

१२ प्रश्नो में से कोई भी १० पश्नों के उत्तर लिखिये ।

a) मज्जा सार पुरुषाचे लक्षणे लिहा.

मज्जा सार पुरुषों के लक्षण लिखें ।

Write Majja Sara Purush Laxana.

b) रस वृद्धि - क्षय लक्षणे लिहा.

रस वृद्धि - क्षय लक्षण लिखें ।

Write Rasa Vriddhi and Kshaya laxana.

c) शुद्धार्तव लक्षणे लिहा.

शुद्धार्तव लक्षण लिखें ।

Write Shuddhartava signs and symptoms.

(71)

03126 B

-2-



d) षट् चक्रांची नावे व स्थान लिहा.

षट् चक्रों के नाम और स्थान लिखें ।

Write name and place of shat chakra.

e) स्वेदाचे कार्य लिहा.

स्वेद का कार्य लिखें ।

Write functions of Sweda.

f) शुद्ध शुक्राचे लक्षण लिहा.

शुद्ध शुक्र के लक्षण लिखें ।

Write Laxana of Shuddha Shukra.

g) ओज वृद्धि-क्षय लक्षणे लिहा.

ओज वृद्धि-क्षय के लक्षण लिखें ।

Write symptoms of oja vriddhi and oja kshaya.

h) मना चे गुण व कार्य लिहा.

मन के गुण और कार्य लिखें ।

Write guna and karma of Mana.

i) निद्रे चे प्रकार लिहा.

निद्रा के प्रकार लिखें ।

Describe types of Nidra.

j) चुल्लिका ग्रंथी चे कार्य लिहा.

चुल्लिका का ग्रंथी के कार्य लिखें ।

Write functions of Thyroid gland.

k) अस्थि धातुचे कार्य लिहा.

अस्थि धातु का कार्य लिखें ।

Write functions of Asthi dhatu.

l) रक्त धातु चे कार्य लिहा.

रक्त धातु का कार्य लिखें ।

Write functions of Rakta dhatu.

SECTION - C
(LAQ)

45

(3×15=45)

3. Attempt **any three** out of four :

चार पैकी कोणतेही तीन सोडवावे.

चार प्रश्नो में से कोई भी ३ लिखें।

a) रक्त धातुची निरुक्ति, पर्याय, परिणमन, स्थान, गुण कार्य आणि क्षय-वृद्धि लक्षणो वर्णन करा. 15

रक्त धातु की निरुक्ति, पर्याय, परिणमन, स्थान गुण, कार्य और क्षय-वृद्धि लक्षण स्पष्ट कीजिये।

Describe the Nirukti, Synonyms, Sthana, Guna, functions and Kshaya-Vridhhi Laxana of Rakta dhatu.

b) मेद धातुच्या निरुक्ति, पर्याय, परिणमन, गुण, कार्य आणि क्षय-वृद्धि लक्षणो वर्णन करा. 15

मेद धातु की निरुक्ति, पर्याय, परिणमन, गुण, कार्य और क्षय वृद्धि लक्षण स्पष्ट कीजिये।

Describe the Nirukti, synonyms, guna, functions and kshaya- vridhhi laxana of meda dhatu.

c) अधिवृक्क ग्रंथीचे अन्तःस्राव लिहून त्यांचे कार्य व क्षय-वृद्धि लक्षणो लिहा. 15

अधिवृक्क ग्रंथी के अन्तःस्राव लिखकर उस के कार्य और क्षय-वृद्धि लक्षण लिखें।

Describe adrenal gland its secretions and functions. Also write symptoms of Hypo-Hyper secretion of Adrenal gland.

d) मस्तिष्कच्या विविध स्थानांचे कार्य लिहा. 15

मस्तिष्क के विविध स्थानो का कार्य लिखें।

Describe functions of different parts of brain.